Bihar Board Class 7 Social Science History Solutions Chapter 8 क्षेत्रीय संस्कृतियों का उत्कर्ष

अभ्यास के प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1.
रिक्त स्थानों की पूर्ति करें:

1. उर्दू एक ..... भाषा है । (मिश्रित/एकल/मधुर)
2. उर्दू की उत्पत्ति..... शताब्दी में हुयी । (ग्यारहवीं /चौदहवीं/बारहवीं)
3. उर्दू का शाब्दिक अर्थ है ..... । (घर/महल/शिविर/खेमा)
4. इरानी लोग सिंधु को ..... कहने थे । (हिन्द/हिन्दू/हिन्दी)
5. तुलसीदास ने.....की रचना की । (महाभारत/मेघदूतम्/रामचरितमानस)
6. पहाड़ी चित्रकला ..... क्षेत्र में विकसित हुयी। (मध्य भारत/उत्तर पश्चिम हिमालय/राजस्थान)

उत्तर-

1. मिश्रित
2. ग्यारहवीं
3. शिविर
4. हिन्दू
5. रामचरितमानस
6. उत्तर-पश्चिम हिमालय ।

प्रश्न 2.
निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें:

प्रश्न (a)
उर्दू का विकास कैसे हुआ ?
उत्तर-
उर्दू का विकास एक अपभ्रंश भाषा के रूप में हुआ। इसमें अनेक भाषाओं के शब्द मिले हैं, जैसे : अरबी, फारसी तथा तुर्की । इसी कारण उर्दू को एक मिश्रित भाषा कहते हैं । इसकी लिपि फारसी है, लेकिन व्याकरण हिन्दी-अंग्रेजी जैसा ही है।

प्रश्न (b)
लौकिक साहित्य के बारे में पाँच पंक्तियों में बताइए ।
उत्तर-
लौकिक साहित्य में 'ढोला-मारुहा' नामक काव्य लिखा गया । इसमें ढोला नामक राजकुमार और मारवाणी नामक राजकुमारी की प्रणय लीला का वर्णन है । इस काव्य में महिलाओं के कोमल भावों का मार्मिक वर्णन किया गया है । इसी काल के लौकिक साहित्य के रचनाकारों में अमीर खुसरो भी हैं । अमीर खुसरु ने पहेलियों से हिन्दी के भंडार को भरा ।।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न (c)
रहीम कौन थे ? उनके द्वारा रचित किसी एक दोहा को लिखें।
उत्तर-
रहिम का पूरा नाम अब्दुर्रहीम खानखाना था । ये अकबर के दरबार के नवरत्नों में एक थे । इनकी अधिक पहचान कृष्ण भक्त कवि के रूप में है । इन्होंने हिन्दी में अनेक कविताओं की रचना की । इनकी एक प्रसिद्ध रचना का अंश निम्नलिखित है :

रहिमन विपदा तू भली. जो थोड़े दिन होई । हित अनहित या जगत में जान पड़े सब कोई

प्रश्न (d)
'हम्जानामा' क्या है ?
उत्तर-
हम्जानामा' मुगलकाल का बना चित्रों का एक अलबम है । मुगलों ने चित्रकला की जिस शैली की नींव डाली वह मुगल चित्रकला के नाम से प्रसिद्ध हुई । 'हम्जानामा' मुगल शैली की ही एक अद्‌भुत कृति है । यह ऐसी – पाण्डुलिपि है, जिसमें 1200 चित्र हैं । सभी चित्र स्थूल और नटकीन्ने गंगों में कपड़े पर बने हुए हैं।

प्रश्न (e)
पहाड़ी चिरकला में किन-किन विषयों पर चित्र बराये जाते थे ?
उत्तर-
पहाड़ी चित्रकला में विशेष रूप से सामाजिक विषय चुने गरे । चित्र सामाजिक विषयों पर ही बने । बच्चियों को गेंद खेलते, संगीत के साज बजाते, पक्षियों या पशुओं के साथ मनोरंजन करते हुए चित्र बनाये जाते थे । राजा-महाराजाओं का अंकेले या दरबारियों के साथ बैठे हुए चित्र बनाये जाते थे । प्राकृतिक दृश्यों के चित्र भी बने । पत्तों और फलों से लदे वृक्षों के चित्र सराहनीय हैं । पहाड़ी चित्रकला में इन्हीं विषयों पर चित्र बनाये जाते थे ।

प्रश्न (f)
गजल और कव्वाली में अंतर बताएँ।
उत्तर-
सल्तनत काल में दो प्रकार की गायन शैली का विकास हुआ-पहला था गजल और दूसरा कव्वाली । गजल को अरबी भाषा में स्त्रीलिंग माना जाता है, जबकि हिन्दी में इसे पुल्लिग मानते हैं । गजल का शाब्दिक अर्थ है अपने प्रेम पात्र से वार्ता । एक गजल में कम-से-कम पाँच और अधिक-से-अधि क ग्यारह शेर होते थे। इसके संग्रह को दीवान कहा जाता है । गजलें कि श्रृंगार रस में लिखी होती थी, जिस कारण इसका गायन संगीत प्रेमियों को अच्छा लगता था । सूफियों को भी गजल प्रिय रहा ।

कव्वाली का चलन विशेषतः सूफी गायकों में था । 'कौल' का अर्थ है कथन । इसको गाने वाला कव्वाल कहलाता था । यही शैली कौव्वाली कहलायी । कोदाली गाते हुए गायक भक्तिमय हो जाता था । उसके समक्ष लगता था कि अल्ला सामने आ गया हो । गाते-गाते वे झूमने और नाचने लगते

चर्चा करें

प्रश्न 1.
क्षेत्रीय भाषा एवं साहित्य के विकास का क्या महत्त्व है ?
उत्तर-
सोलहवीं शतादी से क्षेत्रीय भाषाओं में लेखन कार्य होने लगा था । सत्रहवीं शताब्दी के आते-आते इसमें काफी

https://www.evidyarthi.in/

परिपक्वता आ गई । संगीतमय काव्य भी रचे गये । बंगला, उड़िया, हिन्दी, गजस्थानी तथा गुजराती भाषाओं के काव्य में राधाकृष्ण एवं गोपियों की लीला तथा भागवत की कहानियों का भरपूर उपयोग हुआ । इसी काल में मल्लिक महम्मद जायसी ने हिन्दी में 'पद्मावत' लिखा । इसका बंगला में भी अनुवाद हुआ । अब्दुर्रहीम खानखाना ने कृष्ण को सामने रख अनेक काव्यमय रचनाएँ की ।

तुलसीदास ने रामचरित मानस की रचना अवधी में की जिसमें भोजपुरी शब्दों का खुब उपयोग हुआ है । सूरदास ने ब्रज भाषा में कृष्ण के बाल रूप का वर्णन किया । यह इनका महत्त्वपूर्ण योगदान था ।

दक्षिण भारत में मलयालम भाषा की साहित्यिक परम्परा का प्रारंभ मध्यकाल में ही हुआ। महाराष्ट्र में एकनाथ और तुकाराम ने मराठी भाषा में काफी कुछ लिखा ।

बिहार अनेक भाषाओं का क्षेत्र है । यहाँ की कुछ भाषाएँ पूरे देश में । बोली-समझी जाती हैं। बिहार के चन्द्रेश्वर मध्यकाल के नामी टीकाकार थे। इन्होंने सूफी संतों से प्रभावित होकर धर्म की व्याख्या की ।

खासकर बिहार हिन्दी भाषी क्षेत्र है । यहाँ हिन्दी की उत्पत्ति संस्कृत के अपभ्रंश के रूप में हुई । अन्य भाषाओं में, जिन्हें शुद्ध क्षेत्रीय कहा जा सकता है, वे हैं भोजपुरी, मगही, मैथिली और उर्दू आदि । मैथिली भाषा को कवि कोकिल विद्यापति ने बहुत ऊँचाई पर पहुंचा दिया । मंडन मिश्र तथा भारती मिथिला की ही देन थे। भोजपुरी का क्षेत्र बहुत विस्तृत हैं।

प्रश्न 2.
आपके घर में जो भाषा बोली जाती है ? उसका प्रयोग लिखने में कब से
शुरू हुआ?
उत्तर-
में अपने घर में भोजपुरी भाषा बोलता हैं । लेखन में इसका आरम्भ कबीर के समय से हुआ। स्वतंत्रता संग्राम के समय अनेक महाकाव्य भोजपुरी में रचे गए । बटोहिया, फिरंगिया और कुंवर सिंह महाकाव्य अधिक प्रशसित रहे हैं । महेन्द्र मिश्र तथा भिखारी ठाकुर भोजपुरी के महान गीतकार रह चुके हैं । आज तो भोजपुरी भाषा का काफी विकास हो चुका है।

https://www.evidyarthi.in/